आर्थिक स्वावलंबन में वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों की भूमिका पर आयोजित संगोष्ठी पर एक रिपोर्ट

भारत के चातुर्दिक विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है । आज के वैश्विक परिदृश्य तथा भारत सरकार की नीतियों को देखते हुए भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर के नेतृत्व में आर्थिक स्वावलंबन में वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों की भूमिका पर 27 फरवरी, 2017 को संयुक्त राजभाषा वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की गई । इस वैज्ञानिक संगोष्ठी में भौतिकी संस्थान, सीएसआइआर-खनिज एवं पदार्थ प्रौद्योगिकी संस्थान, जीव विज्ञान संस्थान, नाइजर, एम्स, केन्द्रीय कृषिरत महिला संस्थान, मधुर जल मत्स्यपालन संस्थान ने संयुक्त रूप से भाग लिया । श्री ऋषि कुमार रथ ने स्वागत भाषण प्रदान किया । प्रो. सुधाकर पण्डा, निदेशक, भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर ने इस संगोष्ठी की अध्यक्षता की । उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में इस संगोष्ठी की विषय वस्तु एवं महत्ता पर विशेष प्रकाश डाला तथा विज्ञान एवं तकनीक के माध्यम से न केवल इससे जुड़े हुए संस्थानों को आर्थिक स्वावलंबन की आवश्यकता है बल्कि उभरते हुए आर्थिक क्षेत्रों में अधिक से अधिक योगदान देना है । संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में प्रो. बी के मिश्र, निदेशक, आइएमएमटी, प्रो.वी चन्द्रशेखर, निदेशक, नाइजर, डॉ एस के श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक, सीआइडब्ल्यूए, प्रो. अजय परिड़ा, निदेशक, जीव विज्ञान संस्थान, सीफा एवं श्री बी बी मिश्र, रजिस्ट्रार, एम्स ने भी सभा में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को सम्बोधित किया तथा अपने बहुमूल्य विचारों से सब को प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया ।

(उदघाटन सत्र में मंचासीन अतिथिगण (बाएं से) श्री बी बी मिश्र, रिजस्ट्रार, एम्स, प्रो. अजय परिडा, निदेशक, जीव विज्ञान संस्थान, प्रो. बरदा कांत मिश्र, निदेशक, आइएमएमटी, प्रो. सुधाकर पंडा, निदेशक, आईओपी, प्रो. वी. चंद्रशेखर, निदेशक, नाइजर, डॉ. एस. के. श्रीवास्तव, प्रधान वैज्ञानिक, सीवा और श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार, भौतिकी संस्थान)

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य शोध संस्थानों में किए जा रहे कार्यों को राजभाषा हिन्दी के माध्यम से जन मानस तक पहुँचाने के साथ साथ इन संस्थानों में विकसित की जा रही तकनीकों, प्रौद्योगिकियों एवं प्रक्रियाओं का उपयोग करके किस तरह हम आर्थिक रूप से स्वावलंबी हो सकते हैं इस पर विस्तार से चर्चा करना है । इसके लिए विज्ञान एवं तकनीक के माध्यम से कम लागत में अधिक उत्पादन, निर्यातोन्मुख प्रौद्योगिकियों का विकास करके एवं भारत निर्माण के

माध्यम से आयात को घटाकर भारत को आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में आगे ले जा सकते हैं । भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक लंबी एवं विशिष्ट परम्परा रही है और इसके महत्वपूर्ण शोध परिणामों एवं उपलब्धियों को कृषि, उद्योग, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा, दूर संचार, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, खनिज एवं खनन के क्षेत्रों में देखा गया है ।

(संगोष्ठी में उपस्थित प्रतिभागियों का एक दृश्य)

इस संगोष्ठी में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लगभग 105 प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा 10 वक्ताओं ने विभिन्न विषयों पर अपना उच्च स्तरीय शोध पत्र प्रस्तुत किया । डॉ मनीष कुमार, वैज्ञानिक, आइएमएमटी,

भुवनेश्वर ने मृदा पोषक तत्व युक्त बायोचार संबंधित अनुसंधान का आर्थिक परिप्रेक्ष्य एवं सम्भावनाएं पर अपने शोध कार्यों को प्रस्तुत किया । आर्थिक स्वावलंबन में सीएसआईआर-आईआईएमटी की भूमिका पर श्री बी.डी. महारिक ने, आर्थिक स्वावलंबन में वैज्ञानिक तथा तकनीकी संस्थानों की भूमिका पर डा. अरुण कुमार, रसायन विभाग, नाइजर ने, कृषिरत महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन में भा.कृ.अ.प.- केंद्रीय कृषिरत महिला संस्थान की भूमिका पर गायत्री महारणा, केंद्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने, आर्थिक स्वावलंबन में सीफा की भूमिका पर डॉ. पी.के. मेहर, सीफा ने, वैज्ञानिक विधि में मुर्गी पालन द्वारा ग्रामीण महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण पर डॉ. अनंत सरकार, केंद्रीय कृषिरत महिला संस्थान ने, आर्थिक स्वावलंबन में वैज्ञानिक तथा तकनीकी संस्थानों की भूमिका पर डॉ. विवेक राय, जीव विज्ञान संस्थान, पशुपालन -आर्थिक उन्नति का सशक्त तथा जरुरी माध्यम पर डॉ. सौरभ चावला, नाइजर ने और विज्ञान तथा प्रद्योगिकी के प्रसारण में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र का योगदान पर डॉ. अमर बनर्जी, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुबई ने अपने अपने शोध कार्यों को प्रस्तुत किया

शोध पत्रों के प्रस्तुतीकरण से सभी प्रतिभागीगण काफी लाभान्वित हुए तथा यह विचार प्रकट किया गया कि इस तरह के आयोजन को एक नियमित अंतराल में अवश्य आयोजित किया जाना चाहिए जिससे लोगों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति अभिरुचि जागृत की जा सके । इस संयुक्त वैज्ञानिक संगोष्ठी का समन्वयन श्री एम वी वांजीश्वरन, आई ओ पी, श्री डी बी सिंह, नाइजर, श्री वी गणेश कुमार एवं पी के मेहेर, सीफा, श्री देवव्रत गोस्वामी, जीव विज्ञान संस्थान, डॉ एस के श्रीवास्तव, सीआइडब्ल्यूए, श्री बी बी मिश्र, एम्स, डॉ मनीष कुमार एवं श्री टी वेंकट राजु , आइएमएमटी द्वारा किया गया । श्री भगवान बेहेरा, भौतिकी संस्थान ने इस संगोष्ठी का संचालन कुशलतापूर्वक किया ।